थी का बहुमत था। मोहित साहब महाराष्ट्र के मंत्रीमंडल में बैठे हुये हैं चह्वाण साहब बैठे हुये हैं, जाजिलकर साहब भी बैठे हुये हैं, इनसे उन्होंने नहीं कहा था इस्तीफे दे दो, चुनाव लड़ो। इन्होंने उस समय कहा था कि निष्ठाएं बदल रही हैं। आज मैं कहना चाहता हूं कि केवल महाराष्ट्र में ही नहीं, राष्ट्रीय पैमाने पर निष्ठा बदल रही है। जनता, कार्यकर्ता और विधायक बड़ी तेजी से कांग्रेस से टूट रहे हैं, इसलिये यह आचार संहिता का समय नहीं है।

आचार संहिता के लिये हम लोग कब तैयार हो जायेंगे, जब इनका 20 साल का एकाधिकार खत्म हो जायेगा। यहां और अन्य राज्यों में जैसे दूसरे दल हैं, उसी तरह जब यह कांग्रेस दल बनेगा तब समझ में आयेगा और तब हम आचार संहिता बनाने के लिये तैयार होंगे।

अध्यक्ष महोदय, मैं महाभारत का एक दृष्टांत सुनाना चाहता हूं। जब जख्मी भीष्म पितामह लड़ाई के बाद उत्तरायण सूर्य की प्रतीक्षा कर रहे थे, पाण्डव लोग उनके पास जाते थे और वे उनको धर्म की सीख देते थे। एक दिन जब धर्म पर चर्चा भीष्म पितामह ने शुरू की और नैतिकता के सिद्धान्त को लेकर जैसे सेठ गोविन्द दास और दूसरे लोग बोल रहे थे, उसी तरह से जब भीष्म पितामह बोलने लगे, तब द्रौपदी, जो तेजस्वी औरत थी, हंसने लगी। कुछ पाण्डवों को गुस्सा आया और उन्होंने पूछा कि क्यों हंस रही हो—तो द्रौपदी ने कहा—पितामह, जब द्रौपदी का चीर हरण हो रहा था, कौरवों की सभा में, उस समय आपकी धार्मिकता और नैतिकता कहां चली गई थी? आज मुझे वही प्रसंग याद आ रहा है। जब आपसे लोग टूटने लगे, उत्तर प्रदेश में आप खत्म हो गये, हरियाणा में खत्म हो गये, मध्य प्रदेश में खत्म हो गये और कल मोरारजी भाई के गुजरात में भी खत्म होने वाले हैं और जल्दी ही इन्दिरा गांधी भी जाने वाली हैं, यह सब होकर रहेगा, तब आप को नैतिकता याद आएगी। इसी लिये आज कौरवों की सभा— मुझे याद आ रही है। इसलिये नैतिकता की बात करना बेकार है। जहां तक संवैधानिकता का सवाल है, कानून का सवाल है, इनका कर्त्तव्य है कि संविधान पर अमल करावें—लेकिन मध्य प्रदेश में आपने ऐसा नहीं किया। इसीलिये यह कामरोको प्रस्ताव है और मैं हाउस से अपील करता हूं कि वह इस प्रस्ताव को पारित करके इनको भी आज निकाल दे।

Shri Bal Raj Madhok: All the 155 opposition MLAs of M.P. have decided to come to Delhi to represent to the President, the Prime Minister and the Home Minister. (*Interruptions*).

Mr. Speaker: The question is:

"That the House do now adjourn"

The motion was negatived.

20.31 hrs.

DEMANDS FOR GRANTS—*contd.*

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND COMPANY AFFAIRS—*contd.*

Mr. Speaker: The House will now resume further discussion on the Demands for Grants relating to the Ministry of Industrial Development and Company Affairs. Shrimati Sucheta Kripalani

Shrimati Sucheta Kripalani (Gonda): Sir, I rise to speak on the Demands of the Ministry of Industrial Development and Company Affairs.

Mr. Speaker: She may resume her speech tomorrow.

20.32 hrs.

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock on Friday, July 21, 1967/Asadha 30, 1889 (Saka).

GMGIPND—1480 (Ai) LS—LS II—24-2-68—1010